VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1410)

Name of Candidate	ANKIT KUMAR JAIN	Registration Number	649298
Medium Eng./Hindi	HINDI	Date	19 Dec. 2020
Center	JAIPUR		

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न / भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. What is Blue Dot Network? Assess its significance for India. **(150 words) 10**
ब्लू डॉट नेटवर्क क्या है? भारत के लिए इसके महत्व का आकलन कीजिए।

ब्लू डॉट नेटवर्क संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया द्वारा संयुक्त नेतृत्व योजना है जिसमे किसी भी अवसंरचनात्मक परियोजना के गुणवत्ता का आकलन कर उसे रेटिंग प्रदान करते है।

इसमे पर्यावरणीय मानक, अवसंरचना की समयावधि, उससे होने वाले आर्थिक वैज्ञानिक प्रभाव व सामाजिक प्रभावो का आकलन आदि को शामिल किया गया है।

हाल ही मे USA के द्वारा भारत को इसमे शामिल होने को लेकर निमंत्रित किया गया था। तत्पश्चात विदेश मंत्रालय ने इस पर सकारात्मक टिप्पणी भी की थी।

महत्व

- भारतीय परियोजनाओ के होने वाले सामाजिक आर्थिक वैज्ञानिक पर्यावरणीय प्रभावो का अन्तर्राष्ट्रीय मापदण्डो पर मानकीकरण होना → परियोजना निर्माण मे सुधार होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. इसे चीन द्वारा प्रस्तावित Belt and Road Initiative के काउंटर में माना जा रहा है जो भारत की सम्प्रभुता (POK) को चुनौती देता है।
↳ CPEC

3. भारत में परियोजनाओं के वित्तपोषण हेतु → IMF, World Bank, Asian Development Bank आदि से सहायता लेने में।

4. भारतीय परियोजना निर्माण में क्षमता सुधार सुधार हेतु

5. पड़ोसी राज्यों में चल रही परियोजना निर्माण कार्यक्रमों हेतु US - Japan का सहयोग प्राप्त होगा।

ब्लू डॉट नेटवर्क एक ओर जहाँ कई अवसर भारत के लिए उत्पन्न करेगा वही यह चीन, रूस जैसे देशों द्वारा चुनौतियाँ भी उत्पन्न करेगा। अतः एक संतुलित नीति द्वारा इसकी समीक्षा किए जाने की जरूरत है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Explain the role played by the IMF in maintaining global financial stability. Also, discuss the importance of impending reforms in IMF's structure. (150 words) 10

वैश्विक वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने में IMF द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका को स्पष्ट कीजिए। साथ ही, IMF की संरचना में आसन्न सुधारों के महत्व की भी विवेचना कीजिए।

ब्रेटनवुड्स सम्मेलन के पश्चात् अस्तित्व में आए IMF की भूमिका निम्नानुसार है –

1. वैश्विक वित्तीय स्थिरता बनाए रखना।
2. मुद्रा सम्बन्धी स्थिरता बनाए रखना
3. आयात - निर्यात हेतु आवश्यक मौद्रिक ऋण उपलब्ध करवाना
   Ex. हाल ही पाकिस्तान को IMF ने बेल आउट पैकेज दिया ताकि वो आवश्यक आयात कर सके।
4. मौद्रिक नियमो की अनुपालना करने मे
5. कई रिपोर्ट्स आदि निकालकर उस देश की आर्थिक नीतियो के विश्लेषण करने मे।
   Ex - Global Stability Report
6.

IMF ने वैसे तो स्थापना काल से ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है परन्तु अपनी संरचनात्मक कमियो से वह प्रभावी नही हो पाया है –

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः इसमे निम्न सुधार की आवश्यकता है

1. वोटिंग पैटर्न मे बदलाव : अभी किसी भी देश के 1 + Imf मे हिस्से के आधार पर वोटिंग होती है जिसमे पश्चिमी देशो का एकाधिकार है अतः इसे लोकतांत्रिक परिवेश मे ढालने की जरूरत है

2. निर्णय प्रक्रिया मे लोकतांत्रिक स्वरूप की आवश्यकता।

3. IMF द्वारा प्रदत्त ऋण की गुणवत्ता व शर्तों मे राहत

4. SDR (Special Drawing Rights) मे सुधार।

IMF को बेहतर अनुपालन की आवश्यकता है जो लोकतांत्रिक माध्यम से ही संभव है। अतः वैश्विक वित्तीय सुधारो हेतु IMF को स्वयं के लिए इन सब सुधारो से तैयार होना पड़ेगा

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. An engaging feature of the current global situation is the transformation of the Sino-Russian relationship. Examine the potential of this evolving situation for India's foreign policy. **(150 words) 10**

चीन-रूस संबंधों का रूपांतरण, वर्तमान वैश्विक स्थिति की एक आकर्षक विशेषता है। भारत की विदेश नीति के लिए इस उभरती हुई स्थिति की संभावना का परीक्षण कीजिए।

हाल ही मे चीन - रूस के सम्बन्धो मे विशेष निकटता देखी गई है:

1. चीन द्वारा रूस के Far East Region मे बड़ी मात्रा मे निवेश
2. चीन - रूस मे 'पावर ऑफ साइबेरिया' नाम से गैस पाइपलाइन
3. 2014 के बाद सैन्य आयुध आपूर्ति
   Ex.- Su - 35 S fighter Jet
   - S-400 Defence System
4. वोस्तावक क्षेत्र मे विश्व का सबसे बड़ा सैन्याभ्यास 2019 मे।
5. चीन के प्रभाव मे पाकिस्तान को रूसी हथियार बेचना।
6. Belt & Road Initiative का हिस्सा

रूस चीन संबधो ने हाल मे नए आयामो को प्राप्त किया है जिससे भारत के समक्ष नई चुनौतिया उत्पन्न हुई है

1. चीन को रूस से मिलते आधुनिक हथियार जो कि 2014 से पूर्व तक नहीं बेचे जाते थे।
2. पाकिस्तान मे बढ़ती रूस की भूमिका
   ↳ सैन्याभ्यास
   ↳ हथियार बेचना
3. तालिबान के साथ अफगान मुद्दे पर वार्ता
4. भारत को Belt & Road Initiative का विरोध न करने की सलाह
5. QUAD को ~~खतरा बता~~ चीन - रूस विरोधी बताना।

ऐसे मे भारत-रूस संबंधो मे एक नई चुनौती उत्पन्न हुई है जिसने स्वतंत्रतापूर्व संबंधो मे दरार उत्पन्न की है अत: एक संतुलित विदेश नीति अपनाने व राष्ट्रहित सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. In the context of the "Neighbourhood First" and "Act East" policies of India, Myanmar is a pivotal country. Discuss. **(150 words) 10**

भारत की "पड़ोस प्रथम" और "एक्ट ईस्ट" नीतियों के संदर्भ में, म्यांमार एक अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। चर्चा कीजिए।

1935 के भारत शासन अधिनियम से म्यांमार को ब्रिटिश भारत से अलग किया गया था। अपने लंबे उतार चढ़ाव व सैन्य शासन के बाद आंग सू की के राष्ट्रपति बनने से भारत – म्यामार संबंधो ने नई प्रगति की है

महत्व & सहयोग के क्षेत्र

↳ उत्तर पूर्वी भारत के माध्यम से दक्षिण-पूर्वी एशिया से जुड़ना

↳ India – Myanmar – Thailand (IMT) Highway का निर्माण

↳ कोलकाता - सितवे पोर्ट को जोड़ना

↳ कालादान River Project

↳ सुरक्षा क्षेत्र मे Military Co-operation बढ़ाना।

↳ Insurgent Groups – NSCN (IK) & उल्फा, मणिपुर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी आदि को शांत करने हेतु

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ प्रत्यर्पण संधि – 2011 में।
↳ 2018 मे Free Movement Regime हस्ताक्षर – 16 km दोनो देशो की सीमा के भीतर मुक्त आवाजाही
↳ रोहिंग्या संकट से निपटने हेतु ऑपरेशन संधानिपत्र
↳ Development Project हेतु Quick Impact Project Programme की शुरुआत

चुनौतियाँ

↳ ① चुनौतीपूर्ण सीमाएँ व उग्रवादी समूह
② रोहिंग्या संकट (रखाइन प्रांत)
③ म्यांमार मे बढ़ती चीन की भूमिका
↳ चीन - म्यांमार कोरिडोर
④ FMR का उग्रवादी व आतंकी समूहो द्वारा उपयोग
⑤ ड्रग ट्रैफिकिंग → गोल्डन ट्राएंगल से

हाल ही मे म्यांमार की राष्ट्रपति की भारत यात्रा ने रिश्तो मे एक नई जान फूँकी है इसे रणनीतिक साझेदारी तथा नवीन दक्षिण-पूर्वी एशियाई दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Highlight the structure and mandate of the United Nations Human Rights Council. Bring out some of the concerns that have been raised against its working in recent times. (150 words) 10

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की संरचना और अधिदेश पर प्रकाश डालिए। हाल के दिनों में इसके कामकाज के विरूद्ध व्यक्त की गई कुछ चिंताओं को स्पष्ट कीजिए।

UNHRC, 2006 मे गठित परिषद है जिसके 48 सदस्य होते है जो निर्वाचित होते है। हाल ही मे भारत भी इसके सदस्य के तौर पर निर्वाचित हुआ है

संरचना
- 48 सदस्य, तीन वर्षीय कार्यकाल
- क्षेत्रीय आधार पर निर्वाचन होता है

UNHRC मे निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाते है इसकी सहायता हेतु कई NGO की रिपोर्ट्स भी उपयोग मे ली जाती है

इसके निर्णयो के आधार पर UNITED Nations की सुरक्षा परिषद देश पर दबाव डालती है। प्रतिबंध भी लगा सकती है।

इसका कार्य मानवाधिकार जैसे- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, जीवन व भोजन का अधिकार, साफ वातावरण का अधिकार की रक्षा करना है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

हाल ही मे पाकिस्तान, ईरान, नाइजीरिया जैसे मानवाधिकारो का उल्लंघन करने वाले राष्ट्रो को इसका सदस्य बनाया गया है जो इसके द्वारा किसी जांच व निर्णय की गुणवत्ता को प्रभावित करेगा।

साथ ही US, कनाडा, यूरोपीयन यूनियन तथा UN के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान ने इजरायल - फिलीस्तीन मुद्दे पर बार-बार चर्चा करने को लेकर आपत्ति जताई है तथा इसे Anti Isreal बताया है

भारत ने अपनी निष्पक्ष तथा मानवाधिकार प्रथम की नीति का परिचय देते हुए इसे अपने उद्देश्यो के प्रति समर्पित निकाय के कार्य करने की बात कही है जो वर्तमान मे उचित भी है।

6. Highlighting the significance of the Indian diaspora, enumerate the initiatives taken by the government for engaging the Indian Diaspora around the world. **(150 words) 10**

भारतीय डायस्पोरा के महत्व को रेखांकित करते हुए, सम्पूर्ण विश्व से भारतीय डायस्पोरा को आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों को सूचीबद्ध कीजिए।

मालदीव, मॉरीशस से लेकर US, UAE तक भारतीयों ने अपनी मेहनत लगन और प्रतिबद्धता से न केवल उस देश के आर्थिक सामाजिक विकास मे योगदान दिया है बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान को भी विदेशो मे पहुँचाया है।

9 जनवरी को मनाए जाने वाले प्रवासी दिवस को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा था कि वो चाहे भारतीय पासपोर्ट ना रखते हो मगर उनके दिलो मे हिन्दुस्तान अवश्य रहता है।

~~भारतीय~~ विदेशो मे भारत के प्रति ~~पहल~~ नीतियो को प्रभावित करते मे

Remittance, Investment जैसे आर्थिक लाभ ← **महत्व** → Soft Power के तौर पर

↓

भारतीय संस्कृति के मूल्यो के प्रचार प्रसार मे

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारतीय पहल

↳ प्रवासी भारतीय नागरिक कार्ड (OCI) प्रदान करना
  ↳ इसमें कुछ सुविधाएँ छोड़कर अन्य सभी सुविधाएं जैसे वीजा ऑन अराइवल, लम्बे समय तक रुकना स्टडी करना

↳ 'भारत को जानो' प्रतियोगिता का आयोजन

↳ 'प्रवासी तीर्थ दर्शन' योजना

↳ 'छात्रवृत्ति कार्यक्रम' for Students

↳ 'Make In India' जैसे कार्यक्रमों में निवेश हेतु विशेष प्रोत्साहन'।

इन कार्यक्रमो से न केवल विदेशी भूमि पर भारतीय संस्कृति जीवंत हुई है बल्कि 15 अगस्त को निकलने वाली विदेशो में रैलियाँ भी दर्शनीय होती है जो भारतीय प्रवासियो के महत्व को दिखाती है।

7. Emerging technologies are increasingly playing a key role in international relations. Discuss in the context of MEA's decision of setting up of a new division on New and Emerging Strategic Technologies (NEST).

(150 words) 10

उभरती प्रौद्योगिकियां उत्तरोत्तर अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। नई एवं उभरती सामरिक प्रौद्योगिकियों (NEST) पर एक नया प्रभाग स्थापित करने के MEA के निर्णय के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

औद्योगिक क्रांति 4.0 मे विकसित होती 5G तकनीक, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, इन्टरनेट ऑफ थिंग्स, आदि 3D Printing आदि ने देशो मे सहयोग के नए आयामो की शुरुआत की है।

इन्ही के चलते विदेश मंत्रालय ने नई एवं उभरती सामरिक प्रौद्योगिकी प्रभाग खोला है।

महत्व:
- राष्ट्र के लिए बेहतर तकनीक का आयात निर्यात विश्लेषण
- विज्ञान कूटनीति का प्रयोग
- तकनीक के Application का विवेचन
- US-China, Japan, Germany आदि देशों से संबंध बनाए रखने का विश्लेषण
- अन्तर्राष्ट्रीय कानून की जानकारी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

चीन द्वारा हुवावे कंपनी के 5G trials पर हुए विवाद हो या कोविड के दौरान चीनी ऐप्स पर भारत द्वारा प्रतिबंध लगाना / इन सबने इसके महत्व को उजागर किया है

बढ़ते साइबर हमलों से बचाव हेतु देशों के मध्य सहयोग की आवश्यकता को इसका आंकलन भी NEST द्वारा किया जा सकेगा।

स्पेस कूटनीति को भी इसी से जोड़कर देखा जा सकता है। हाल ही में रूस में भारत ने ISRO का कार्यालय खोला है जो भारत - रूस स्पेस संबंधो में सुधार होगा।

इससे न केवल तकनीकी सहयोग में वृद्धि होगी बल्कि मानव संसाधन भी लाभान्वित होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. India-Nepal relations are based on significant potential for close interdependence, but they are simultaneously marred by periodic frictions. Comment. (150 words) 10

भारत-नेपाल संबंध घनिष्ठ अंतर-निर्भरता की महत्वपूर्ण संभावना पर आधारित हैं, किन्तु साथ ही वे आवधिक घर्षण से भी दूषित हैं। टिप्पणी कीजिए।

भारत - नेपाल संबंध सीमाओ से परे रोटी - बेटी के संबंधो पर आधारित है जो सदियो से चले आ रहे है।

सहयोग के क्षेत्र

↳ सीमा सहयोग मे → विवाद को सुलझाने मे। अब तक 98% सीमा समाधान हुआ लेकिन कालापानी व सुस्ता क्षेत्र को लेकर विवाद जारी है।

↳ सांस्कृतिक - रूप से एक होते हुए भी विवाद के कई बिंदु आए है जैसे नेपाली पीएम द्वारा भगवान राम के जन्म स्थान को लेकर की गई टिप्पणी।

↳ जल विवाद → नेपाल से भारत मे प्रवेश करने वाली नदियो के बाँध के निर्माण को लेकर अपार सभावनाएँ जैसे - जल विद्युत ऊर्जा, नहरे निर्माण परन्तु विवादग्रस्त

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ नेपाल की आन्तरिक राजनीति मे अस्थिरता
2015 से सत्ता मे आई नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी मे बढ़ती गुटबाजी तथा भारत के प्रति दुष्प्रचार ; जिसमे 2015 का ब्लॉकेड तथा मधेसी आंदोलन भी है

↳ चीन से बढ़ती नेपाल की मित्रता →
चीन द्वारा नेपाल मे किया निवेश, ल्हासा से काठमाण्डू तक रेल लाइन प्रोजेक्ट आदि ने भारतीय हितो को चोट पहुचाई है

अच्छे पड़ोसी तथा शांत सीमाएँ राष्ट्र की समस्याओ को कम करके विकास के नए रास्ते खोलती है। नेपाल व भारत को सदियो पुराने संबंधो को वर्तमान मे नए दृष्टिकोणो को अपनाते हुए पुनर्जीवित करने चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Giving an account of WHO's triple billion targets, highlight the reforms it has initiated to achieve these. (150 words) 10
WHO के ट्रिपल बिलियन लक्ष्यों का विवरण देते हुए, इन्हें प्राप्त करने के लिए इसके द्वारा आरंभ किए गए सुधारों पर प्रकाश डालिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पाँच वर्षों (2019-2023) मे तीन लक्ष्य निर्धारित किए है -

1. 1 बिलियन (100 करोड़) लोगो को यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज से जोड़ना
2. 1 बिलियन लोगो को आपातकालीन चिकित्सा मुहैया करना
3. 1 बिलियन लोगो के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना।

इन्हे ही ट्रिपल बिलियन लक्ष्य कहा गया। इस हेतु WHO द्वारा प्रत्येक देश के साथ मिलकर रोडमैप तैयार कर रही है। भारत मे भी WHO ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर कन्ट्री कोऑपरेशन स्ट्रेटजी 2019-2023 तैयार की है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसमे चार मुख्य सहयोग शामिल है

वैश्विक नेतृत्व
↑
आपात स्वास्थ्य सुविधा ← [WHO – MoHFW co-operation] → स्वास्थ्य मानक तैयार करना
↓
Universal Health Coverage

सुधार

↳ पड़ोसी देशो के साथ स्वास्थ्य प्रणाली का आदान प्रदान

Ex. म्यामार को हाल मे भाभाट्रॉन Co-60 उपलब्ध कराना।

↳ Medico-Tourism Promote करना

↳ वैश्विक तथा क्षेत्रीय नीतिगत निर्माण तथा बीमारियो की पहचान कर उनका अनुसंधान करना।

• ऐसे अभियान से न केवल सतत विकास लक्ष्य संख्या -3 (Good Health & well being) को प्राप्त किया जा सकता है तथा दो देशो के संबंध को नया आयाम भी दे (बना सकता है)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. India has good relations with both Israel and the Palestinian leadership. In this context, assess the role India can play in bringing lasting peace to the region. (150 words) 10

भारत के इज़राइली और फिलिस्तीनी नेतृत्व दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। इस संदर्भ में, इस क्षेत्र में स्थायी शांति लाने में भारत द्वारा निभाई जा सकने वाली भूमिका का आकलन कीजिए।

स्वतंत्रता के बाद से ही भारत द्वारा फिलीस्तीन - इज़रायल मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा प्रस्तुत द्विराष्ट्र सिद्धान्त का समर्थन किया है।

भारत ने सभी देशो से मित्र संबंध बनाए रखने की नीति के अनुरूप फिलीस्तीन लिबरेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (PLO) से भी अच्छे रिश्ते बनाए है तो इज़रायल से सैन्य और कृषि क्षेत्र मे मजबूत संबंध स्थापित किए है

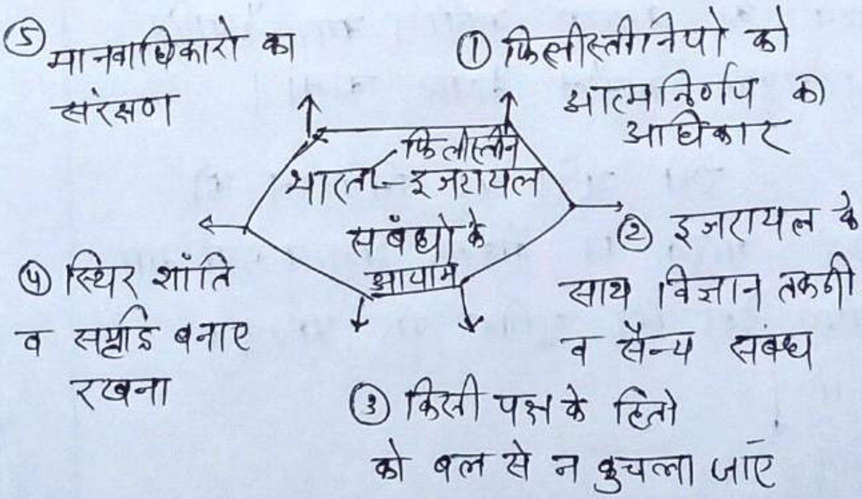

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ मध्य-पूर्व की राजनीतिक स्थिति 60 के दशक से ही महत्वपूर्ण रही है चूंकि यह ऊर्जा संसाधनो से भरपूर है।

↳ भारत द्वारा ओस्लो समझौते अथवा संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रस्तुत समाधान को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करना चाहिए।

↳ दोनो देशो से ऐतिहासिक संबंधो के अनुरूप मध्यस्थता की जा सकती है जिसमे दोनो समानतापूर्ण व्यवहार करे।

↳ सभी नागरिको को आत्मसम्मानपूर्ण जीवन की गारंटी तथा धर्म को मानने की स्वतंत्रता दी जाए।

↳ हमास जैसे आतंकी संगठनो को समाप्त करने का प्रयास करना। तथा वैचारिक उदारतापूर्ण माहौल तैयार करना।

ऐसे मुद्दो पर निपटाने की प्रक्रिया भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता तथा शांतिप्रिय देश की भूमिका मे मजबूत बनाएगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Why did India decide not to join the Regional Comprehensive Economic Partnership (RCEP)? Discuss in the context of domestic interests, India's experience of the free trade agreements and prevailing realities of external trade. **(250 words) 15**

भारत ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (RCEP) में सम्मिलित न होने का निर्णय क्यों लिया? घरेलू हितों, मुक्त व्यापार समझौतों के संबंध में भारत के अनुभव और बाह्य व्यापार की मौजूदा वास्तविकताओं के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

हाल ही विश्व का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता RCEP, 15 देशो के बीच हुआ। जिसमे भारत ने अंतिम समय मे अपने राष्ट्रीय हितो को ध्यान मे रखते हुए शामिल होने से मना कर दिया।

शामिल क्यो नही ?

1. भारत के घरेलू व्यापार को सुरक्षित रखने हेतु। जैसे- दूध तथा डेयरी उत्पाद
- कृषि उत्पाद
↳ क्योकि न्यूजीलैंड तथा आस्ट्रेलिया मे इनके उत्पाद सस्ते है।

2. घरेलू MSME सूक्ष्म, लघु मध्यम उद्योगो को सुरक्षित रखने हेतु।
↳ RCEP समझौते से चीन जैसे देशो द्वारा जहाँ Manufacturing sector मजबूत है भारत मे अपने उत्पादो को dump कर सकता था।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. व्यापार मे असंतुलन बढ़ना –

ASEAN, Japan तथा South Korea जैसे देशो के साथ मुक्त व्यापार है जिनमे भारत का आर्थिक व्यापार घाटा है अतः कमजोर Manufacturing और अधिक व्यापार असंतुलन बढ़ा सकती है

4. सर्विस सेक्टर तथा मानव संसाधन की मुक्त आवाजाही को शामिल नही करना।

भारत सर्विस सेक्टर मे मजबूत देश है जबकि समझौते मे इसे बाहर रखा गया है जिससे भारत के आर्थिक हितो को नुकसान पहुँच रहा था।

BPO sector, Maintenance आदि मे भारतीय मानव संसाधन का कौशल उच्च है इनकी आवाजाही तथा कौशल उपयोग को भी समझौते का हिस्सा नही बनाया जा रहा था।

अतः भारत ने अपने घरेलू आर्थिक हितो को ध्यान मे रखते हुए इस समझौते को स्वीकार नही किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आगे की राह :

→ भारत को उत्पादन क्षमता का विस्तार करना होगा।

↳ Global supply chain का भागीदार बनना होगा।

↳ Skilled labour मिले इस हेतु शिक्षा व्यवस्था मे बदलाव की आवश्यकता है।

↳ Investment बढ़े इस हेतु व्यापार सुगमता बढ़ाने की जरूरत है।

↳ समझौते मे आगे बढ़ने से पूर्व पुराने अनुभवो तथा अपने भविष्य के हितो को समझौते मे शामिल करवाना चाहिए।

व्यापार समझौते भविष्य की आर्थिक सम्भावनाओं तथा दो देशो के मध्य मित्रता का सूचक है। अत: राष्ट्रीय हितो के मध्यनजर RCEP मे बाद मे शामिल होने पर विचार किया जा सकता है।

12. It has been argued that the ties between India and Bangladesh are currently passing through a golden chapter. Critically discuss.
(250 words) 15

यह तर्क दिया जाता है कि भारत और बांग्लादेश के मध्य संबंध वर्तमान समय में स्वर्णिम दौर से गुजर रहे हैं। समालोचनात्मक चर्चा कीजिए।

2010 के पश्चात जब से बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) की शेख हसीना सरकार सत्ता मे आई है भारत-बांग्लादेश ने रिश्ते मजबूत किए है

<u>सहयोग के क्षेत्र</u>

<u>सीमा विवाद</u> → 2015 मे अन्त: क्षेत्रो के आदान-प्रदान का समझौता ; जिसे 100 वे संवि.संशो. अधिनियम द्वारा भारतीय संसद ने स्वीकृत किया ।

↳ सीमा सहयोग समझौता
↳ बांग्लादेश के बॉर्डर गार्ड्स और भारत के BSF के जवानो द्वारा साझा पेट्रोलिंग ।

↳ बांग्लादेश से प्रत्यर्पण संधि
↳ उल्फा नेता अनूप चेटिया का प्रत्यर्पण

↳ सैन्याभ्यास करना

↳ हथियार तथा हेलिकॉप्टर व नौसेना के जहाज बांग्लादेश को बेचना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आर्थिक सहयोग - संपर्क सहयोग

↳ कोलकाता से ढाका तक बस सेवा

↳ चिल्हाटी हल्दीबारी रेल सेवा की शुरुआत

↳ ~~Bhut~~ BBIN (भूटान, बांग्लादेश, India नेपाल) सड़क समझौता

↳ IMT (भारत - म्यामार - थाईलैंड) मे बांग्लादेश को जोड़ने का प्रस्ताव

↳ बांग्लादेश के पोर्ट्स का भारत के साथ जोड़ना व नौसेना द्वारा सुरक्षा प्रदान करना।

↳ सबरूम रिवर प्रोजेक्ट

↳ Quick Impact Development Project के तहत रोहिंग्या शरणार्थियों हेतु ऑपरेशन इंसानियत तथा आवास निर्माण

↳ COVID जैसी आपदा से निपटने मे सार्क फंड की स्थापना

↳ दक्षिण एशियाई स्पेस सेटेलाइट

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियाँ

- चीन का बढ़ता प्रभाव
  - सबसे बड़ा निवेशक है।
  - सबसे बड़ा हथियार निर्यातक है।
- बांग्लादेश मे अल्पसंख्यकों पर बढ़ता अत्याचार तथा कट्टरपंथीकरण।
- फरक्का नदी तथा तीस्ता नदी जल विवाद।
- बढ़ता ड्रग, मानव तस्करी।

हाल के वर्षों मे रिश्तो मे प्रगाढ़ता तो आई है परन्तु स्थिर सम्बन्धो तथा सामरिक हितो की पूर्ति करने वाले सम्बन्धो की ओर आगे बढ़ने की आवश्यकता है

13. India has consistently argued for nuclear disarmament yet has not signed some of the most significant global treaties in this context. What are the reasons for the same? Do you think its time to revisit India's stand on the issue? (250 words) 15

भारत ने निरंतर परमाणु निरस्त्रीकरण का समर्थन किया है, किन्तु फिर भी इस संदर्भ में कुछ सर्वाधिक महत्वपूर्ण वैश्विक संधियों पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इसका क्या कारण है? क्या आप मानते हैं कि यह इस मुद्दे पर भारत के रुख पर पुनर्विचार किए जाने का समय है?

1974 तथा 1998 मे परमाणु परीक्षण करके भारत ने परमाणु शक्ति हासिल की मगर अपनी जिम्मेदारियो को निभाते हुए 'नोफर्स्ट यूज नीति' का भी विश्व को आश्वासन दिया।

हालाँकि वैश्विक परमाणु संधियाँ जैसे NPT, CTBT आदि पर भारत ने हस्ताक्षर नही किए है।

काराण

- ये संधियां हैव्स एवं हैव्स नॉट मे देशो का विभाजन करती है
- ये संधियां परमाणु परीक्षण न करने वाले देश को सुरक्षा प्रदान नही करती है
- परमाणु हथियार वाले देशो के नि:शस्त्रीकरण की कोई योजना प्रस्तुत नही करती है
- यह संधियां राष्ट्र की सम्प्रभुता को चुनौती उत्पन्न करती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत का पक्ष

→ भारत ने 1998 में संयुक्त राष्ट्र में पूर्ण और सार्वभौमीकरण परमाणु निरस्त्रीकरण योजना प्रस्तुत की है

→ भारत का पक्ष है कि बड़े राष्ट्रों को जैसे रूस, USA, चीन आदि को अपने परमाणु हथियार पहले कम करने चाहिए तत्पश्चात छोटे देश अपने हथियार कम करें।

↳ साथ ही इसमें अन्य परमाणु सम्पन्न राष्ट्रों से किसी भी राष्ट्र को पूर्ण सुरक्षा प्रदान करने का प्रस्ताव भी है

↳ इस हेतु एक पक्षीय आरोपण के बजाय बहुपक्षीय हितों के अनुरूप योजना निर्माण करना चाहिए

पुनर्विचार की आवश्यकता ?

↳ भारत ने बिना हस्ताक्षर किए भी परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का सफल संचालन किया है। तथा इस हेतु अमेरिका, आस्ट्रेलिया जैसे देशों से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

न्यूक्लियर डील भी की है।

↳ हालांकि इस पर हस्ताक्षर करने से भारत को Nuclear supplier Group की सदस्यता भी आसानी से मिल सकती है।

↳ इससे परमाणु हथियारों की होड़ भी खत्म हो सकती है जो विश्व शांति व मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

भारत को किसी भी भेदभावपूर्ण तथा असमानता लाने वाली संधि पर हस्ताक्षर करने के बजाय अपनी शांतिपूर्ण सह्अस्तित्व की नीति को ही आगे बढ़ाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Given the increasing salience of the Indo-Pacific concept in global discourse, India has taken various measures to advance its Indo-Pacific vision. Comment. **(250 words) 15**

वैश्विक संवाद में हिंद-प्रशांत अवधारणा की बढ़ती हुई प्रमुखता को देखते हुए, भारत ने अपनी हिंद-प्रशांत दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। टिप्पणी कीजिए।

हिन्द-प्रशांत अवधारणा मूलतः भूराजनीतिक टर्म है जिसमे पश्चिमी प्रशांत महासागर तथा ~~पश्चिमी~~ हिन्द महासागर के तटीय देशो की बढ़ती अन्तराष्ट्रीय भूमिका को शामिल किया जाता है

महत्व

↳ वैश्विक व्यापार का महत्वपूर्ण जलीय मार्ग।
  ↳ 2/3 वैश्विक व्यापार
↳ भारत का 90% वैश्विक व्यापार
↳ अरब देशो से विश्व को तेल की सप्लाई
↳ आसियान को जोड़ने वाला मार्ग।
  ↳ मलक्का स्ट्रेट
↳ उभरती वैश्विक अर्थव्यवस्था का क्षेत्र जैसे - इण्डोनेशिया, बांग्लादेश आदि सऊदी अरब,
↳ चीन की बढ़ती भूमिका को रोकने हेतु
↳ ~~वैश्विक~~ समुद्री आतंकवाद तथा इन्टरनेट (समुद्री) की सुविधा ~~के~~ हेतु।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत द्वारा उपाय :

↳ चीन के string of Pearls के प्रत्युत्तर में ~~चाबहार तथा~~ ईरान में चाबहार तथा म्यांमार में सितवे पोर्ट, श्रीलंका में त्रिनकोमाली पोर्ट का विकास।

↳ भारतीय नौसेना द्वारा मलक्का स्ट्रेट (शिपिंग का चोक पॉइन्ट) से सूडान ~~से~~ स्वेज नहर संधि तक पेट्रोलिंग करना

↳ हिन्द महासागर के छोटे ~~द्वि~~ द्वीपीय देश मॉरीशस, सेशेल्स, मेडागास्कर आदि से नौसेना सहयोग समझौता।

↳ कई सारे सहयोगी संगठन BIMSTEC, आसियान, इण्डियन ओशियन रिम एसोसिएशन आदि में अपनी भूमिका बढ़ाना

↳ लुक ईस्ट से ~~ऐक्ट~~ एक्ट ईस्ट द्वारा विदेश नीति में परिवर्तन।

↳ व्यापारिक - रणनीतिक सहयोग को सुरक्षा सांस्कृतिक सहयोग में परिवर्तित करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ पूर्वी देशो के साथ संपर्क को बढ़ाना

↳ धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना विशेषकर बौद्ध देशो जैसे - कबोडिया थाइलैंड etc.

↳ चीनी प्रभाव को Counter करने हेतु आस्ट्रेलिया, जापान, तथा USA के साथ QUAD मे साझेदारी करना

↳ अन्तराष्ट्रीय सी बेड अथॉरिटी के नियमो की अनुपालना सुनिश्चित करने हेतु सभी देशो को नेतृत्व प्रदान करना जिससे सुरक्षित व नियम आधारित हिन्द प्रशान्त क्षेत्र बन सके।

हाल ही मे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने ~~कहा~~ कहा कि हिन्द महासागर मे 100 से भी ज्यादा वॉरशिप मौजूद है जो बढ़ते समुद्री सैन्यीकरण की ओर इशारा कर रहे है अतः इससामरिक रणनीति से निपटने की गहरी आवश्यकता है

15. Overcoming the hesitations of history, India and USA are on the path of developing a truly Comprehensive Global Strategic partnership. Analyse. (250 words) 15

ऐतिहासिक दुविधाओं से उबरते हुए, भारत और USA वास्तविक रूप में एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक भागीदारी विकसित करने के मार्ग पर हैं। विश्लेषण कीजिए।

भारत और USA दोनो देशो ने 2008 मे सिविल न्यूक्लियर समझौते पर हस्ताक्षर करके संबंधो मे विश्वास और प्रगाढ़ता हासिल की है।

ऐतिहासिक दुविधा

↳ भारत का गुटनिरपेक्ष नीति से रहना शीत युद्ध के दौरान
↳ रूस (तत्कालीन USSR) से मित्रता संधि
↳ अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को सहायता
↳ पाक समर्थित आतंकवाद पर पाक का संरक्षण
↳ 1998 का परमाणु परीक्षण

परन्तु 21वीं सदी मे उभरते भारत को मद्देनजर रखते हुए अमेरिकी विदेश नीति मे भारत को रणनीतिक साझेदार बना दिया। Indo - Pacific क्षेत्र मे अपनी भूमिका को रेखांकित करने या अफगान समेत मध्य पूर्व मे हितो को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

साधने मे भारत अमेरिका के साथ सहयोग कर रहा है।

<u>सहयोग के क्षेत्र</u>

↳ रक्षा व विदेश मंत्रालय द्वारा 2+2 संवाद (हाल ही मे दिल्ली मे सम्पन्न)

↳ परमाणु न्यूक्लियर सिविल समझौता

↳ <u>COMCASA</u> - संचार को लेकर,
<u>BECA</u> - बेसिक एक्सचेंज को लेकर
<u>LEMOA</u> - लॉजिस्टिक एक्सचेंज को लेकर
समझौता हुआ।

↳ People to People connect बढ़ाना तथा एक-दूसरे के राजनीतिक नेतृत्व की मुलाकातें। → 26 <u>Jan 2015</u> को बराक ओबामा <u>मुख्य अतिथि</u> ; <u>हाउडी मोदी</u> और <u>नमस्ते ट्रंप</u> जैसे आयोजन

↳ ISRO और NASA का सहयोग

↳ COVID मे क्लोरोक्विनोन दवा को भेजना

↳ नवीनीकरण ऊर्जा मे सहयोग

↳ आतंकवाद को लेकर साझा संवाद तथा अफगानिस्तान मे भारतीय हितो की सुरक्षा का समर्थन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ हिंद-प्रशांत क्षेत्र मे चीन की बढ़ती दखलंदाजी को प्रतिरोध करना तथा भारत की भूमिका QUAD, ASEAN शिखर सम्मेलन आदि के माध्यम से बढ़ाना

↳ विज्ञान व तकनीक मे संवाद

चुनौतियाँ

↳ वीजा नीति : H1B वीजा मे भारतीयो के दाखिले कम करना

↳ जनरेलाइज्ड प्रिफरेंस सिस्टम से (GSP) से भारत को बाहर करना

↳ भारतीय उत्पादो पर Non Tariff Barrier लगाना। जैसे Phyto sanatory मसालो व फलो पर

↳ बौद्धिक सपंदा अधिकारो पर दबाव

↳ फेसबुक, अमेजन जैसी कंपनियो का अनैतिक दबाव यथा - ब भारतीय राजनीति को सोशल मीडिया से प्रभावित करना

बदलती वैश्विक व्यवस्था मे भारत ने सदैव अपने हितो को प्राथमिकता दी हो न आँख झुकाकर न आँख दिखाकर भारत ने संबंधो को आगे बढ़ाया है

16. United Nations Security Council (UNSC) must reflect changing global reality. Discuss in the context of existing structure and functions of the UNSC and the demands for reforms. **(250 words) 15**

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) को बदलती वैश्विक वास्तविकता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। UNSC की वर्तमान संरचना और कार्यों तथा सुधारों की मांग के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

हाल ही मे सयुंक्त राष्ट्र महासभा के सत्र को वर्चुअली संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने बदलते वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए UNSC मे बदलाव की माँग की, जिसे कई देशो ने समर्थन भी दिया।

~~आवश्यकता~~

वर्तमान संरचना

United Nation
- महासभा
- सुरक्षा परिषद
  - सदस्य
    - स्थायी सदस्य
      - 5
        - USA
        - UK
        - Russia
        - France
        - China
    - अस्थायी सदस्य (निर्वाचित)
      - 10 (प्रति दो वर्ष)
- आर्थिक व सामाजिक परिषद
- ट्रस्टीशिप
- अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय
- सचिवालय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निर्णय : सुरक्षा परिषद मे स्थायी सदस्य वीटो पावर रखते हैं अत: 9 सदस्य का बहुमत (5 स्थायी सदस्य अनिवार्य) जरूरी है

कार्य – अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा व शान्ति बनाए रखना

सुधार की आवश्यकता क्यों ?

↳ बदलता वैश्विक परिदृश्य → द्विध्रुव विश्व से वर्तमान मे बहुध्रुवीय विश्व बन गया है USA के अतिरिक्त China, India Brazil, Saudi Arab, जापान, जर्मनी द॰ अफ्रीका जैसे देशो को प्रतिनिधित्व देना अनिवार्य है

↳ UNSC सभी महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व नही करती है। अफ्रीका तथा दक्षिणी अमेरिका।

↳ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दो पर विफलता : सीरिया संकट, कोविड संकट, आर्मेनिया–अजरबैजान संकट, जलवायु संकट आदि मे यूनाइटेड नेशन्स ने उचित व सटीक निर्णय नही लिए है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ जनसंख्या के अनुरूप प्रतिनिधित्व नहीं। यूरोप से 2 (UK तथा France) जबकि सर्वाधिक आबादी वाले क्षेत्र दक्षिण एशिया तथा अफ्रीका का प्रतिनिधित्व नहीं।

↳ लोकतांत्रिक या सामूहिक निर्णय प्रक्रिया का अभाव

↳ United Nation जैसे मंचो के दुरुपयोग से विश्वसनीयता तथा उम्मीदो का अभाव

समय के अनुरूप बदलाव करते रह ही संस्था / समाज की प्रासंगिकता बनी रहती है। अतः UNSC को 1945 के बजाय 21वी सदी की चुनौतियो आंतकवाद, कट्टरपंथ तथा जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दो से निपटने हेतु परिवर्तन व बदलाव की जरूरत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. South China Sea disputes are regional in nature but global in terms of possible consequences. Examine. **(250 words) 15**

दक्षिण चीन सागर विवाद प्रकृति में क्षेत्रीय, लेकिन संभावित परिणामों के संदर्भ में वैश्विक हैं। परीक्षण कीजिए।

चीन, ब्रुनेई, मलेशिया, फिलीपिंस, वियतनाम के मध्य दक्षिण चीन सागर विवाद है। ~~की~~ अन्तर्राष्ट्रीय सीबेड ऑथोरिटी के निर्णय को चीन द्वारा अस्वीकार करना क्षेत्र मे नियम आधारित व्यवस्था को चुनौती देता है

विवाद की प्रकृति : क्षेत्रीय

↳ जलीय सीमाओ की अनिश्चितता

↳ अपार खनिज ससांधनो को पाने की चाहत

↳ चीन द्वारा आक्रामक रवैया अपनाकर छोटे राष्ट्रो को हार्ड पावर दिखाना

↳ क्षेत्रीय नौ परिवहन बाधित होना

↳ आस-पास के नाविको द्वारा मछली पालन खतरे मे होना

↳ दक्षिण चीन सागर का सैन्यीकरण होना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विवाद : वैश्विक प्रकृति में

↳ चीन द्वारा International Seabed Authority का निर्णय न मानना नियम आधारित व्यवस्था को चुनौती है।

↳ इस क्षेत्र से वैश्विक व्यापार का 40% हिस्सा गुजरता है

↳ दक्षिणपूर्वी एशियाई देशों की अर्थव्यवस्था का आधार यही क्षेत्र है

↳ चीन की विस्तारवादी नीतियों का परिणाम अन्य वैश्विक मंचो पर भी पड़ सकता है

↳ ~~चीन~~ अपने हितो को साधने हेतु छोटे देश अमेरिका पर निर्भर होंगे जिससे क्षेत्र का सैन्यीकरण बढ़ेगा।

↳ पर्यावरण को संकट बढ़ेगा यदि किसी भी प्रकार का सैन्याभ्यास अथवा युद्ध होता है तो क्योंकि

यह क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है।

↳ भूराजनीतिक पृष्ठभूमि मे बदलाव करना - ex. अमेरिका द्वारा Indo-Pacific क्षेत्र बनाना।

↳ इससे स्पष्ट है की विवाद क्षेत्रीय होने के बजाय वैश्विक है जिसका समाधान बातचीत के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर होना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Some of the achievements of BRICS are impressive, however much more is needed for it to achieve its objectives and true potential. Explain. (250 words) 15

BRICS की कुछ उपलब्धियां प्रभावशाली हैं, हालांकि इसके उद्देश्यों और वास्तविक सामर्थ्य को प्राप्त करने हेतु इसे बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। व्याख्या कीजिए।

2006 मे स्थापित BRICS भारत, रूस, ब्राजील, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे 21वी सदी के उभरते देशो का समूह है

BRICS की उपलब्धियाँ

↳ New Development Bank की स्थापना

↳ कोरोना संकट मे आपसी सहयोग बढ़ाना तथा।

↳ 42% आबादी और 23% GDP का प्रतिनिधित्व

↳ World Bank तथा IMF जैसे अलोकतांत्रिक निर्णय प्रक्रिया के संगठनो के बीच नया मंच स्थापित करना

↳ BRICS विश्वविद्यालय को प्रस्तावित करना तथा शिक्षा व स्वास्थ्य मे सहयोग बढ़ाना।

↳ आर्थिक साझेदारी व सहयोग को बढ़ाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ सीमा या अन्य विवादों को सुलझाने हेतु मंच
उपयोगी मंच

हालंकि BRICS ने स्थापना के 15 वर्षों मे ही अच्छी प्रगति की है परन्तु इसे और बनाने की आवश्यकता है जैसे –

↳ आर्थिक शक्ति तो है परन्तु परस्पर व्यापार की सीमितता ; इसे बढाना चाहिए free trade Agreement अथवा अन्य किसी माध्यम से।

↳ निवेश प्रक्रिया मे सुधार कर एक -दूसरे देशों मे निवेश करना चाहिए

↳ शिक्षा - स्वास्थ्य मे निवेश हेतु NDB को सशक्त करना चाहिए।

↳ NDB को प्रभावी रूप से संचालित करने हेतु एक निकाय का निर्माण करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ आपसी सहयोग बढ़े इस हेतु अन्तर्राष्ट्रीय मंचो पर एक दूसरे का समर्थन करना चाहिए।

राजनीतिक दृष्टिकोण से इतर आर्थिक व सामाजिक दृष्टिकोण भी BRICS के मध्य होना चाहिए जिससे विश्व की 42% आबादी इसका (BRICS) लाभ उठा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. The relevance of the Non Aligned Movement (NAM) has remained a perennial question after the end of the cold war. What are the ideas that this grouping can work on to answer this question in the changing global context? **(250 words) 15**

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) की प्रासंगिकता एक चिरस्थायी प्रश्न बनी हुई है। बदलते वैश्विक संदर्भ में इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए यह समूह किन विचारों पर कार्य कर सकता है?

1961 के बेलग्रेड सम्मेलन मे द्विध्रुवीय ध्रुवो को नकारते हुए नेहरू - नासिर - टीटो के नेतृत्व मे गुटनिरपेक्ष आंदोलन की शुरुआत हुई

प्रासंगिकता खतरे मे क्यो ?

↳ 1991 के USSR के पतन के बाद USA ही एकमात्र महाशक्ति

↳ NAM मे सशक्त अन्तर्राष्ट्रीय नेतृत्व कर्ता का अभाव ।

↳ नीतियो से अधिक राष्ट्रहित को तरजीह देना

Ex. 1971 के युद्ध मे USSR से भारत की संधि ।

↳ वर्तमान मे प्रासंगिकता —

↳ बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था मे निर्णयो की प्रक्रिया मे सहमति बनाने मे ।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ अमेरिकी तथा चीनी प्रभुत्व से बचने तथा राष्ट्रीय हितो को साधने मे।
↳ कमजोर होते अन्तर्राष्ट्रीय मंचो को सशक्त करने तथा एक होकर आवाज उठाने मे।

(b) नवीन कार्य क्षेत्र।
↳ क्लाइमेट चेंज जैसे मुद्दो पर वैश्विक राय का अभाव है अतः वहाँ 123 देशो का समूह प्रखर रूप से विकसित देशो पर दबाव बना सकता है।
↳ WTO, IMF, World Bank जैसे संगठनो की कार्य प्रक्रिया मे सुधार
↳ WTO मे अल्पविकसित तथा विकासशील देशो के हितो के संरक्षण मे
↳ United Nation Security Council मे सुधार करने हेतु
↳ आतंकवाद, मनी लान्ड्रिंग, ड्रग तस्करी आदि के खिलाफ एक होकर आवाज उठानी चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से निपटने मे
↳ Free Trade को बढ़ावा देने मे
↳ गरीबी, ~~एका~~ भुखमरी, बेरोजगारी दूर करने मे
↳ स्वास्थ्यसेवाओं, शिक्षा आदि क्षेत्र मे सहयोग विकसित करने मे NAM को कार्य करना चाहिए जिससे वो पुनः अपनी प्रासंगिकता सिद्ध कर सके।

20. Indo-UAE relations have reached an extraordinary level of friendship and bonhomie. Analyse the strategic nature of these relations in the context of important issues and recent developments. **(250 words) 15**

भारत-UAE संबंध मित्रता और सौजन्यता के असाधारण स्तर पर पहुंच गए हैं। महत्वपूर्ण मुद्दों और हाल के घटनाक्रमों के संदर्भ में इन संबंधों की रणनीतिक प्रकृति का विश्लेषण कीजिए।

2019 मे UAE के सर्वोच्च सम्मान जायद अवार्ड से पीएम मोदी को नवाजा गया जो भारत - UAE संबंधो की प्रगाढ़ता को दर्शाता है

सहयोग के क्षेत्र और महत्व

आर्थिक।

↳ UAE का 2nd बड़ा व्यापारिक साझेदार जबकि भारत 3rd बड़ा साझेदार

↳ 10वाँ सबसे बड़ा निवेशक है UAE भारत मे।

↳ भारत से खाद्यान्न, दवाईयाँ, केमिकल्स हीरे आदि का निर्यात होता है जबकि पेट्रोलियम उत्पाद, क्रूड ऑयल तथा खनिजो का आयात होता है।

ऊर्जा।

↳ 5वाँ सबसे बड़ा क्रूड आयल का सप्लायर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ UAE के जाकुम क्षेत्र मे भारतीय कंपनी ONGC द्वारा निवेश

भारतीय प्रवासी
↳ 26 लाख भारतीय UAE मे है।
↳ 2018 मे Contractual employment Agreement हुआ।

रक्षा - रणनीति
↳ व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर 2017 मे सहमति
↳ पाकिस्तान की आतंकी नीतियों पर UAE की खुली आलोचना
↳ 2019 में इस्लामिक देशो के समूह की बैठक मे पाकिस्तान के विरोध के बावजूद भारत को निमंत्रण
↳ हाल ही मे सऊदी अरब और UAE ने मिलकर महाराष्ट्र मे रिफाइनरी मे निवेश किया है।
↳ सैन्य हथियारो का निर्यात भी भारत से किया जाएगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियां

↳ UAE मे कफाला तथा नेताकत सिस्टम से भारतीय मजदूरो के हितो को नुकसान।

↳ UAE कंपनियो की नीतियो मे अस्पष्टता।

↳ UAE मे सख्त इस्लामी कानून से भारतीय मजदूर व कामगारो का अनजान होना जिससे वो कई बार बेवजह शिकार हो जाते है

दोनो देशो ने द्विपक्षीय संबंधो को मजबूत किया है मगर अपनी क्षेत्रीय राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हितो की रक्षा करनी चाहिए और संबंधो को मजबूत बनाना चाहिए।